

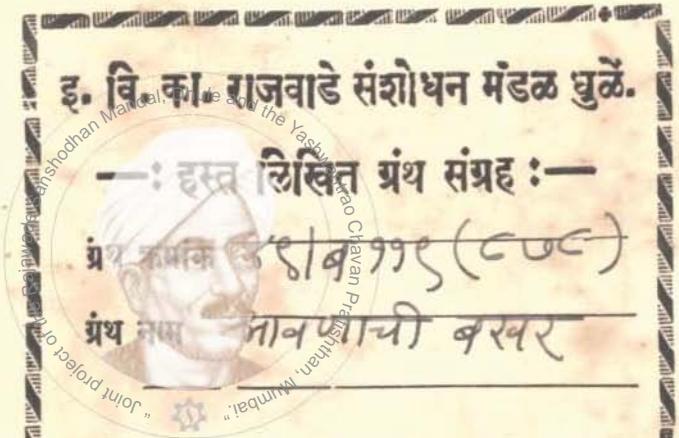
इ. वि. का. राजवाडे संशोधन मंडळ घुळे.

—: दस्त लिखित ग्रंथ संग्रह :—

ग्रंथ नम्बर ११९५ (८८८)

ग्रंथ नम्बर नाव पाची वरवर

विषय मोगद्य.



(D) ~~प्राचीन राजवादी संस्कृत विद्या का अध्ययन~~

(E) ~~संस्कृत विद्या का अध्ययन~~

(F) ~~संस्कृत विद्या का अध्ययन~~

(G) ~~संस्कृत विद्या का अध्ययन~~

(H) ~~संस्कृत विद्या का अध्ययन~~

(I) ~~संस्कृत विद्या का अध्ययन~~

(J) ~~संस्कृत विद्या का अध्ययन~~

(K) ~~संस्कृत विद्या का अध्ययन~~

(L) ~~संस्कृत विद्या का अध्ययन~~

(M) ~~संस्कृत विद्या का अध्ययन~~

(N) ~~संस्कृत विद्या का अध्ययन~~

(O) ~~संस्कृत विद्या का अध्ययन~~

(P) ~~संस्कृत विद्या का अध्ययन~~

(Q) ~~संस्कृत विद्या का अध्ययन~~

(R) ~~संस्कृत विद्या का अध्ययन~~

(S) ~~संस्कृत विद्या का अध्ययन~~

(T) ~~संस्कृत विद्या का अध्ययन~~

(U) ~~संस्कृत विद्या का अध्ययन~~

(V) ~~संस्कृत विद्या का अध्ययन~~

(W) ~~संस्कृत विद्या का अध्ययन~~

(X) ~~संस्कृत विद्या का अध्ययन~~

(Y) ~~संस्कृत विद्या का अध्ययन~~

(Z) ~~संस्कृत विद्या का अध्ययन~~



The portrait is surrounded by handwritten text in Devanagari script, which appears to be a title or a dedication. The text is written in two concentric circles around the portrait.

Joint Project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and Yashwantrao Chavhan Prashikshan, Mumbai



जो प्रधान द्वारा दिल्ली के राजवाडे में संशोधन मंडल, धुले और यशवंतराव चाहै प्रतिष्ठान के लिए दिया गया था।

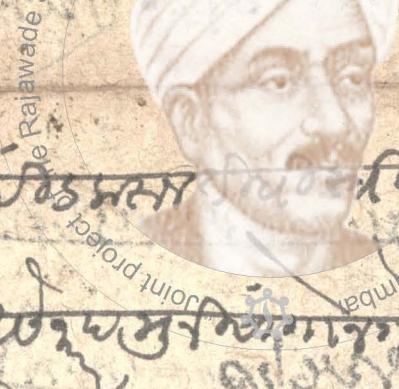
(2A) राजवाडे संशोधन मंडल के लिए दिया गया था। इसका उद्देश्य यह था कि यह अपनी सभी विभिन्न विधायिकाओं के द्वारा दिया गया था।

(2B) राजवाडे संशोधन मंडल के लिए दिया गया था। इसका उद्देश्य यह था कि यह अपनी सभी विधायिकाओं के द्वारा दिया गया था।

(2C) राजवाडे संशोधन मंडल के लिए दिया गया था। इसका उद्देश्य यह था कि यह अपनी सभी विधायिकाओं के द्वारा दिया गया था।

(2D) राजवाडे संशोधन मंडल के लिए दिया गया था। इसका उद्देश्य यह था कि यह अपनी सभी विधायिकाओं के द्वारा दिया गया था।

The image shows a circular watermark centered on the page. Inside the circle is a portrait of a man with a white turban and a beard. Around the portrait, the text is written in Devanagari script. At the top, it reads 'The Rajawade Sanskrit Mandal, Dhule and the'. Below that, 'Dashwant Rao Chavhan Sahayak Pratishthan Trustee Member'. At the bottom of the circle, it says 'Joint Project'. The background of the page is filled with dense handwritten text in Devanagari script, which appears to be a manuscript or a historical document.



The image shows a circular portrait of a man with a mustache and a turban, centered on a page filled with handwritten Marathi text. The text is arranged in concentric circles around the portrait. A large, semi-transparent watermark at the top contains the text "राजवाडे साहेदीन मंडळ, धुले आणि यशविंदो चान्दू" (Rajwade Sahedain Mandal, Dhule and the Yashvindeo Chando). The entire page has a decorative border.

३ शुद्धिम

6

~~स्त्रीरुद्रामिना दोषापेमिहरियाद्विषय~~

କାନ୍ତିମାର୍ଗାବ୍ଲେଟ୍ ପାଇଁ ଏହାରେ ଯାଇବାକୁ ଅନୁରୋଧ କରିଛା

~~यत्तदेव अपि नाम एव विद्युत् इति~~

१०८ अनुवाद विजय कुमार

~~स्त्री विवाह संस्कार~~

२८५ विद्युति विद्युति विद्युति विद्युति विद्युति विद्युति

~~तिर्यक् वाचस्पति शुभ्रम् अनुवादः~~

Digitized by the Yashwantrao Chhatrapati Library, Nashik

SB *Spins* *extra* *Chairs* *MIR886814*



van Prag

三

Digitized by srujanika@gmail.com

ପାତାରେ କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା

19. 9. 1940. श्रीमद्भागवत

ସାହୁରେ ମହାନାନ୍ଦିଶ୍ଵର ପାତାଳାକାଶରେ ଏହାରେ

~~— विष्णुवादी विश्वासा विश्वासा विश्वासा~~

१९७३-७४

ଧର୍ମ ଶାନ୍ତି ଭାଗରେ ପ୍ରଦେଶ ଯାଏନ୍ତି

~~ନେତ୍ରବ୍ୟକ୍ତି ପାଇଁ ମହାଶୁଦ୍ଧି କରିବାରେ ଏହାରେ ଯେତେବେଳେ କରିବାକାଲୀଙ୍କ ପରିମାଣ କରିବାକାଲୀଙ୍କ ପରିମାଣ~~

~~କୁଣ୍ଡଳାରାଜମହିଳା~~

~~WEDNESDAY~~

ପାତ୍ରମାନଙ୍କରୁ ଏହାରେ କିମ୍ବା କିମ୍ବା

४ अस्तित्व

6

१० विष्णुविजयसंग्रहालय बाबूलाल सरदार

~~स्त्रीलभास्त्राद्यतिरिक्तम्~~

ଶ୍ରୀମତୀ ପାତ୍ନୀ ପାତ୍ନୀ ପାତ୍ନୀ

ପ୍ରମାଣ

~~ପାତାରେ କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା~~

कात्तिर द्विमान अन्नान् द्वया नदी निर्मल

४८
सन्दिग्धुरप्रतिक्रियारूपान्वाचस्पतिशुद्धिः

३४८ अन्तर्वार्षिक विद्यालय

विद्युतामृतम् विद्युतामृतम् विद्युतामृतम्

*...ans
medio
centro
dava*

କରୁଣାମୂଳିକାନ୍ତିରାହୁରୁଷାମା

କାନ୍ତିରମ୍ଭାବୁଦ୍‌ଧାରୀପଦାରୀଶ୍ଵର

~~କାନ୍ତିରାମ~~ ପାଦପାତ୍ର ପାଦପାତ୍ର

~~स्वरूपानुभवात् अनुभवात् अनुभवात् अनुभवात्~~

କରୁଣାପାତ୍ର

~~प्राचीन विद्या का अध्ययन~~

~~प्रकाशन करने वाला द्वारा दिया गया~~

~~କାନ୍ତିମାଳା~~ ପରିଚୟ

३० त्रिविक्रमायामास्त्रिविक्रमायाम

३५४ अप्रैल १८८३ नवाब मिस्त्री



प्राचीन राजवाडे संस्कृत मंडल, धुले व उत्तर कश्वान्त्रा चाहवन प्रतिष्ठान, मंडुले

प्राचीन राजवाडे संस्कृत मंडल, धुले व उत्तर कश्वान्त्रा चाहवन प्रतिष्ठान, मंडुले

प्राचीन राजवाडे संस्कृत मंडल, धुले व उत्तर कश्वान्त्रा चाहवन प्रतिष्ठान, मंडुले

प्राचीन राजवाडे संस्कृत मंडल, धुले व उत्तर कश्वान्त्रा चाहवन प्रतिष्ठान, मंडुले

प्राचीन राजवाडे संस्कृत मंडल, धुले व उत्तर कश्वान्त्रा चाहवन प्रतिष्ठान, मंडुले

प्राचीन राजवाडे संस्कृत मंडल, धुले व उत्तर कश्वान्त्रा चाहवन प्रतिष्ठान, मंडुले

प्राचीन राजवाडे संस्कृत मंडल, धुले व उत्तर कश्वान्त्रा चाहवन प्रतिष्ठान, मंडुले

प्राचीन राजवाडे संस्कृत मंडल, धुले व उत्तर कश्वान्त्रा चाहवन प्रतिष्ठान, मंडुले

प्राचीन राजवाडे संस्कृत मंडल, धुले व उत्तर कश्वान्त्रा चाहवन प्रतिष्ठान, मंडुले

प्राचीन राजवाडे संस्कृत मंडल, धुले व उत्तर कश्वान्त्रा चाहवन प्रतिष्ठान, मंडुले

प्राचीन राजवाडे संस्कृत मंडल, धुले व उत्तर कश्वान्त्रा चाहवन प्रतिष्ठान, मंडुले

प्राचीन राजवाडे संस्कृत मंडल, धुले व उत्तर कश्वान्त्रा चाहवन प्रतिष्ठान, मंडुले



मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००९ (महाराष्ट्र)
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com